Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

HALF YEARLY EXAMINATION : 2024-2025

CLASS : X

SUBJECT : HINDI

NAME OF STUDENT : .....
DATE : .....

MAX. MARKS : 80
TIME : 3 HOURS

NOTE: You will not be allowed to write during the first 15 Minutes. This time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two sections -Section 'A' and Section 'B'. Attempt all the questions from section 'A'. Attempt any four questions from Section 'B'. Answering at least one question each from the two parts of the book Gadya and Kavya you have studied and any two other questions.

Section 'A' (40 Marks)

(Attempt all questions)

प्रश्न1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए- (15)

i भारत का राष्ट्रीय खेल किसे कहा जाता है ? आजकल उस खेल की क्या दशा है और क्यों और किस खेल ने भारतीयों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है और कैसे ?

ii भारतीय और पाश्चात्य संस्कृति का वर्णन करते हुए पाश्चात्य संस्कृति की कुछ अपनाने योग्य बातों पर प्रकाश डालिए ।

iii भारतीय उन्नति का आधार उसका चरित्र है । चरित्र का अर्थ एवं महत्व स्पष्ट करते हुए चरित्र के संबंध में वर्तमान स्थिति का उल्लेख कीजिए ।

iv कुछ समस्याएँ ऐसी होती हैं, जो पूरे समाज को प्रभावित करती है और उसे अपूर्णीय क्षति पहुँचाती है । "प्रदूषण समस्या" इनमें से एक है । इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

v एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो- "परिश्रम ही सफलता का सोपान है ।"

प्रश्न2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए । (7)

i स्वतन्त्रता दिवस पर आयोजित एक भाषण प्रतियोगिता में, स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर आपने, अपने विचार प्रस्तुत किए थे । विदेश में रहने वाले अपने मित्र को पत्र लिखकर इस कार्यक्रम की जानकारी दीजिए ।

ii आपके मोहल्ले में बच्चों के खेलने के लिए किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं है । नगर निगम के अध्यक्ष को पत्र लिखकर एक बाल – उद्यान बनवाने की प्रार्थना कीजिए ।

प्रश्न3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए ।

कुछ वर्ष पूर्व एक विशालकाय जहाज़, अटलांटिक महासागर में बर्फ़ के एक पर्वत से टक्कर खाकर चूर-चूर हो गया था । इस जहाज़ का नाम 'टाइटैनिक' था । वह बहुत बड़ा जहाज़ था । इसमें आराम करने के सभी साधन मौजूद थे । नया ही बना था । यह इसकी विलायत से अमेरिका को पहली ही यात्रा थी । यात्रा का आनंद लूटने के लिए विलायत के कितने ही अमीर आदमी इस पर सवार थे । मार्ग में समुद्र पर बर्फ़ का एक बहुत बड़ा पर्वत बहता हुआ आ रहा था । उसी की टक्कर से यह इतना बड़ा जहाज़ फटकर डूब गया और इसके ऊपर सवार सैंकड़ों व्यक्ति अपने प्राणों से हाथ धो बैठे । इससे यह जान पड़ता है कि बर्फ़ के पर्वत कितने संहारकारी होते है ।

यूरोप के निवासियों ने उत्तरी ध्रुव तक की यात्रा करके बर्फ़ के इन संचारशील पर्वतों का पता लगाया है । पहले लोगों का विश्वास था कि ऐसे पर्वत यदि एक फुट समुद्र के ऊपर दिखाई देते हैं तो कम-से-कम सात-आठ फुट पानी के नीचे छिपे रहते हैं, पर यह बात नहीं मानी जाती । अनेक स्थानों पर इन पर्वतों का केवल दो तिहाई भाग ही पानी के भीतर मिला ।

समुद्र की तटवर्ती भूमि अधिक ठंडी होती है । वहीं ये पर्वत बनते हैं । नई खोज यह है कि तटवर्ती पर्वतों से जब समुद्र की लहरें टक्कर खाती हैं, तब ये पर्वत टूट-फूट जाते हैं और उनसे कटकर अलग हुए भाग समुद्र में पहुँच

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

जाते हैं । वहाँ से वायु और लहरों की सहायता पाकर ये दूर-दूर तक बहते चले जाते हैं ।

समुद्र पर तैरने वाले बर्फ़ीले पर्वत बहुत ही सुहावने लगते हैं । वे इतने सुंदर और मनोहर प्रतीत होते हैं कि उनसे दृष्टि हटाने को जी नहीं चाहता है । अमेरिका के संयुक्त राज्यों और कनाडा से आते-जाते जहाज़ों को जाड़े के दिनों में ये पर्वत बहुधा दिखाई देते हैं । ग्रीनलैंड बहुत ही ठंडा टापू है । वहाँ ऐसे पर्वत बहुत ही बना और बिगड़ा करते हैं । वहीं से बहकर जब ये आते हैं, तब अटलांटिक महासागर में जहाज़वालों को ये दिख पड़ते हैं । बर्फ़ के जितने भी पर्वत संसार में हैं, ग्रीनलैंड का 'हंबोल्ड ग्लेशियर' उन सबमें बड़ा है । उसका पता डॉक्टर कैम नाम के आदमी ने पहले-पहल लगाया था । वह 60 मील (96 किलोमीटर) लंबा और 300 फीट ऊँचा है । जहाज़ के यात्रियों का मत है कि इस पर्वत से कटकर कोई पाँच लाख बर्फ़ीले टुकड़े प्रतिवर्ष समुद्र में पहुँच जाते हैं, परंतु इसका क्या पता कि इस तरह के टुकड़े इतने ही होते हैं या इससे न्यूनाधिक । हाँ, उनकी संख्या बहुत होती है, इसमें सन्देह नहीं ।

ग्रीनलैंड के वे बर्फ़ीले पर्वत लहरों से कट-कटकर समुद्र के भीतर चले जाते हैं । वे लैब्रोडोर और न्यूफाउंडलैंड के पास से निकलकर 'गल्फ स्ट्रीम' नामक गरम जल की धारा में पड़ जाते हैं । जल की गरमी से कुछ तो वहीं पिघलकर नष्ट हो जाते हैं और कुछ जो बहुत बड़े होते हैं, धीरे-धीरे अटलांटिक महासागर के मध्य भाग तक जा पहुँचते हैं । एक बार एक बर्फ़ का टुकड़ा, जो 100 फीट ऊँचा और 200 फीट चौड़ा था दक्षिणी स्पेन के किनारे तक पहुँच गया था । वहाँ से उसे देखकर लोगों ने दाँतों तले उँगली दबा ली । किनारे पर वहीं वह नापा भी गया था ।

i टाइटैनिक की क्या विशेषताएँ थीं ? टाइटैनिक के डूबने का क्या कारण था ? (2)

ii समुद्र में तैरते बर्फ़ के पर्वतों का पता किसने लगाया था इनके बारे में उन लोगों की क्या धारणा थी ? (2)

iii बर्फ़ के पर्वत प्रायः कहाँ दिखाई देते हैं ? (2)

iv बर्फ़ के सबसे बड़े पर्वत का क्या नाम है ? इसका पता सबसे पहले किसने लगाया था ? (2)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

v दक्षिणी स्पेन के किनारे पर पहुँचे बर्फ़ के टुकड़े को देखकर लोगों को आश्चर्य क्यों हुआ ? (2)

प्रश्न4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :- (8)

i 'उत्कृष्ट' का विलोम बताइए -

a) अनिच्छा b) विज्ञ

c) निकृष्ट d) ऊसर

ii 'कपड़ा' का पर्यायवाची नहीं है -

a) चीर b) वसन

c) वर d) अंबर

iii 'ईश्वर' की भाववाचक संज्ञा बताइए -

a) ऐश्वर्य b) ईर्ष्या

c) शयन d) कटुता

iv 'दर्शन' का विशेषण बताइए -

a) मायावी b) दार्शनिक

c) धार्मिक d) अच्छा

v 'अतिधिक' का शुद्ध रूप बताइए -

a) अतधिक b) अतयधिक

c) अत्यधिक d) अत्यधिक

vi 'सिक्का जमाना' मुहावरे का अर्थ बताइए -

a) ललचा जाना b) अच्छा लगना

c) प्रभाव जमाना d) भेद खुलना

vii 'चलन' शब्द में प्रत्यय है -

a) अ b) अन

c) आ d) न

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

viii हलवाई ने जलेबियाँ बनाईं थीं । (भविष्यत् काल में बदलिए)

a) हलवाई जलेबियाँ बना रहा है ।
b) हलवाई जलेबियाँ बना रहा होगा ।
c) हलवाई जलेबियाँ बनाएगा ।
d) हलवाई जलेबियाँ बना रहा था ।

Section 'B' (40 Marks)

(Attempt any four questions)

साहित्य सागर (गद्य-भाग)

प्रश्न5. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

"यह संसार है यार !" मैंने स्वार्थ की फ़िलासफ़ी सुनाई – "चलो, पहले बिस्तर में गरम हो लो, फिर किसी और की चिंता करना ।" उदास होकर मित्र ने कहा – "स्वार्थ ! जो कहो, लाचारी कहो, निठुराई कहो – या बेहयाई ।"

अपना – अपना भाग्य
लेखक – जैनेंद्र कुमार

i "यह संसार है यार" – कथन में छिपे व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए । (2)

ii लेखक ने जिस लड़के को देखा था, उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए । (2)

iii दूसरे दिन मोटर पर सवार होते ही लेखक को क्या समाचार मिला ? लोगों ने लेखक को लड़के की मौत के बारे में क्या कहा ? उसकी क्या स्थिति थी? (3)

iv वकील साहब का वर्णन अपने शब्दों में करिए । वकील साहब ने लड़के को नौकर क्यों नहीं रखा ? विस्तार पूर्वक लिखिए । (3)

प्रश्न6. श्यामा ने एक बार गहरी दृष्टि से रामनिहाल को देखा। वह चुप हो गया। श्यामा ने आज्ञा-भरे स्वर में कहा, "आगे और भी कुछ है या बस ?" रामनिहाल ने सिर झुकाकर कहा, "हाँ, और भी कुछ है।" "वही कहो न ।"

'संदेह'
लेखक – जयशंकर प्रसाद

i रामनिहाल ने श्यामा को क्या बताया ? (2)

ii रामनिहाल को किस बात का संदेह हो रहा था और क्यों? (2)

iii मनोरमा ने रामनिहाल से क्या प्रार्थना की थी? रामनिहाल ने श्यामा को क्या बताया ? रामनिहाल के हाथ में किसका चित्र था ? चित्र को देखकर श्यामा ने आश्चर्य भरे स्वर में क्या कहा? (3)

iv कमरे में कौन-कौन सी दो प्रतिमाएँ थीं? दोनों का परिचय दीजिए। किशोरी ने आकर क्या हल्ला मचा दिया? (3)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

प्रश्न7. "भाई, नाम तो तुम्हारा लिख लेता हूँ पर जल्दी नौकरी पाने की कोई आशा मत करना । तुम्हारी योग्यता के हज़ारों व्यक्ति पहले से इस कार्यालय में नाम दर्ज करा चुके हैं ।"

भीड़ में खोया आदमी

लेखक- लीलाधर शर्मा पर्वतीय

i उपरोक्त वाक्य किसने और कब कहा ? (2)

ii लेखक ने नौकरी के सम्बन्ध में दीनानाथ को क्या परामर्श दिया ? समझाकर लिखिए । (2)

iii रोजगार कार्यालय की दशा का वर्णन कीजिए । उक्त प्रसंग के द्वारा लेखक क्या कहना चाहता है ? (3)

iv 'भीड़ में खोया आदमी' निबन्ध के द्वारा लेखक क्या सन्देश देना चाहता है ? विस्तारपूर्वक समझाकर लिखिए । (3)

साहित्य सागर (पद्य – भाग)

प्रश्न8. निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी
ऊँचा खड़ा हिमालय, आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले पड़, नित सिंधु झूमता है ।
गंगा, यमुना, त्रिवेणी, नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली, पग-पग पर छहर रही हैं ।
वह पुण्यभूमि मेरी, वह स्वर्णभूमि मेरी ।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी ।

वह जन्मभूमि मेरी

कवि – सोहनलाल द्विवेदी

i कवि ने जन्मभूमि को किन-किन नामों से पुकारा है ? त्रिवेणी कहाँ पर है ? यहाँ कौन-कौन सी नदियाँ आकर मिलती हैं ? (2)

ii कवि ने देश को युद्धभूमि और पुण्यभूमि क्यों कहा है ? विस्तारपूर्वक समझाकर लिखिए । (2)

iii जग को दया दिखाई, जग को दिया दिखाया यह बात किसके लिए कही गई है ? और क्यों कही गई है ? स्पष्ट करिए । (3)

iv कविता के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन कीजिए तथा वह जन्म-भूमि मेरी कविता किस भावना से ओत-प्रोत है ? (3)

प्रश्न9. ऐसो को उदार जग माहीं ।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं ॥

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी ।
सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी ।
जो संपति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्ही ।
सो संपदा - विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्ही ।।
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो ।
तौ भजु राम, काम सब पूरन करै कृपानिधि तेरो ।।

विनय के पद

कवि - तुलसीदास

i 'रामसरिस कोउ नाहीं' – तुलसीदास ने ऐसा क्यों कहा है ? (2)

ii श्रीराम ने कौन-सी परम गति किस-किस को प्रदान की ? (2)

iii श्रीराम ने कौन-सी सम्पत्ति अत्यंत संकोच के साथ विभिषण को दी ? कवि के अनुसार श्रीराम का भजन क्यों आवश्यक है ? (3)

iv उपर्युक्त पद द्वारा तुलसीदास क्या संदेश दे रहे हैं ? विस्तारपूर्वक समझाकर लिखिए । (3)

प्रश्न10. साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए ।
भूख से सूख ओंठ जब जाते,
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते ?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते ।

भिक्षुक

कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

i भिक्षुक कब आँसुओं के घूँट पीकर रह जाते हैं ? वे अपनी भूख कैसे मिटाने को विवश हैं ? (2)

ii 'और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए'- आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

iii कवि भिक्षुक को क्या प्रेरणा दे रहा है ? भिक्षुक के बच्चों की क्या विशेषता है ? (3)

iv भिक्षुक तथा उसके बच्चे सड़क पर खड़े होकर अपनी भूख किस प्रकार मिटाने का प्रयास कर रहे हैं ? ऐसा करते समय भी उनकी प्रतिद्वंद्विता किससे है ? (3)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE